

crores were to be given to the States; now, it has been reduced to Rs. 9 crores; and Rs. 10 crores are to come through the Railway Ministry. May I know how much out of this sum of Rs. 19 crores has so far been given to the State undertakings? May I also know whether in view of the fact that it is likely to lapse, Government will modify the proposal?

Shri Raj Bahadur: The amount has been reduced from Rs. 13.5 crores to Rs. 9 crores, as has been mentioned in the statement, and as I have already stated, the amount that has been placed at the disposal of the State Governments is Rs. 389 lakhs so far, that is up till the end of 1959-60.

Mr. Speaker: Next question

Shri Assar: One question

Mr. Speaker: Is it necessary to pursue this further? I have allowed so many supplementaries already. Each hon Member wants to ask only one question.

Shri Assar: May I know whether it is a fact that the fee per mile charged by the different State transport undertakings is not uniform, and if so, whether Government propose to fix a standard uniform fare?

Mr. Speaker: The same question was put in another form earlier

Shri Raj Bahadur: The main question pertains to the setting up of corporations in the public sector, not to the fare structure, for which notice of a separate question will be needed

Shri Achar: In view of the fact that the main objection from the States is on the question of payment of income-tax, may I know whether Government will consider exempting these corporations from payment of income-tax, as these are not profit-making business concerns?

Shri Raj Bahadur: They do make profit.

हिमाचल प्रदेश में जड़ी-बूटियाँ

*१०६४. श्री एस देव . क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमाचल प्रदेश प्रशासन के वन विभाग के अन्तर्गत जड़ी-बूटियों के विकास की योजना के बारे में अब तक क्या प्रगति हुई है , और

(ख) क्या सरकार का इस योजना को चम्बा के अतिरिक्त महासू के जंगलों के बड़े पंसारखानों में चालू करने का विचार है ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री करमरकर) :

(क) चम्बा जिले की २ एकड़ भूमि में नर्सरिया स्थापित की गई हैं, जिन पर सितम्बर १९५८ तक १२,७४८ रुपये खर्च हो चुके हैं ।

(ख) अभी नहीं ।

An hon. Member: In English also

Mr. Speaker: Yes

Shri Karmarkar: (a) Nurseries have been raised over an area of 2 acres in Chamba District for which a sum of Rs 12,748 has been spent upto September, 1958

(b) Not yet

श्री एस देव क्या मंत्री महोदय प्रकाश डालने की कृपा करेंगे कि हिमाचल में कौन-कौन सी मेडिसिनल हर्ब्स पाई जाती हैं और क्या इसका सर्वे किया गया है ?

Mr. Speaker: Does the hon Member want a list of the 101 herbs?

श्री एस देव . मैं जानना चाहता हूँ कि जड़ी बूटियों का सर्वे हुआ है या नहीं ?

श्री करमरकर हिमाचल प्रदेश में काफी तादाद में और काफी अच्छी किस्म की हर्ब्स पाई जाती है ।

श्री पद्म देव : क्या मंत्री महोदय को मालूम है कि जो लोग जड़ी बूटियों को उखाड़ते हैं वे इतनी बेरहमी के साथ उनको उखाड़ते हैं कि कई जड़ी बूटियों का नितान्त, प्रभाव पैदा हो रहा है और उनका नाश हो रहा है। इस सम्बन्ध में क्या कोई ऐसे नियम बनाये जाएंगे जिससे कि इन जड़ी बूटियों का नाश न हो ?

श्री करमरकर : जो जड़ी बूटियां निकाल ली जाती हैं वे तो निकाल ही ली जाती हैं। इनका नाश न हो, इस दृष्टि से नर्सरीज वर्ग रह स्थापित की जा रही है, डिबेलेप वर्ग रह इनको किया जाता है। आशा है कि कभी इनका नाश नहीं होगा बल्कि इनकी वृद्धि ही होगी।

Mr. Speaker: Evidently, the hon Member wants to know.

Shri Karmarkar: He was asking whether exploitation of these herbs will not lead to their extinction. I said that these nurseries are being started with a view to developing them and therefore, we are hoping that there will be no *hras* of these herbs. *Hras* means 'decline'.

Mr. Speaker: I heard the question slightly differently. It is to the effect that all over the place, a number of these drug trees and herbal plants are being felled for fuel etc..

Shri Karmarkar: That is not what I understood.

श्री पद्म देव : माननीय मंत्री महोदय ने अभी फरमाया कि ₹२,००० रुपयों की लागत से एक नर्सरी चम्बा में स्थापित की गई है। मैं आपको बतलाना चाहता हूँ कि लाखों रुपये मूल्य की दवाइयां हर साल हिमाचल में बाहर जाती हैं, जड़ी बूटियां बाहर जाती हैं और जो जड़ी बूटियां हैं इनको लोग अपने नफे इत्यादि के लिए इतनी बेरहमी और इतनी बेदरती के साथ उखाड़ते हैं जिससे कि उनका जो असली मूल्य है वह नष्ट हो जाता है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या कोई ऐसा नियम जारी किया गया है

जिससे लोग इस तरह से जड़ी बूटियां न उखाड़ें और नियमों में रहते हुये काम करें ?

Mr. Speaker: I think I was right.

Shri Karmarkar: I think both of us were right.

यह चीज ऐसी है जो कभी-कभी हो जाती है। हो सकता है कि यह हिमाचल प्रदेश में व दूसरे इलाकों में होती है। लेकिन जिस वक्त इस तरह की कोई चीज हमारी नजर में आ जाती है तो यह जरूरी हो जाता है कि इस तरफ भी ध्यान दिया जाये। हिमाचल प्रदेश बहुत बड़ा प्रदेश है और कई किस्म की जड़ी बूटियां यहां पाई जाती हैं। अभी तक तो ऐसी कोई सूचना नहीं आई है जिसमें पता चलता हो कि इनका ह्रास हो रहा है। अगर माननीय सदस्य को पता होगा और हमारी नजर में भी यह चीज आयेगी तो इसका ठीक इतिजाम कर दिया जायेगा।

Shri Joachim Alva: Have Government got any co-ordinated and effective steps to discover herbal and medicinal wealth in our forests? How is it that foreign companies have discovered medicinal plants here and have marketed them? There is the case of serpentina. Now another company has come out with another herb for TB taken from our medicinal plants. Serpentina was found in the Karwar forest, with which the hon. Minister is familiar.

Mr. Speaker: We are going from one thing to the other. *Rauwolfia serpentina* is an old drug in this country which everybody knows.

श्री रा० ज० वर्मा : क्या माननीय मंत्री महोदय बतलाने की कृपा करेंगे कि जड़ी बूटियों के इस्तेमाल के साथ-साथ उनके विकास के लिये भी श्री श्रीमान् ने कोई योजना बनाई है ?

श्री करमरकर : विकास योजनायें भलग-भलग प्रदेश में भलग-भलग तरह से चलती हैं। हिमाचल प्रदेश में, काश्मीर में और साथ ही पड़ोसी इलाकों में वे

बलती है और इनमें कच्ची विलचस्पी स्टेट गवर्नमेंट्स द्वारा दिखाई जाती है और वे कच्ची विलचस्पी इनमें लेती है ।

Shri Joachim Alva: May I repeat my question, because it is important? How is it that foreign companies come and explore our forests and put out drugs in the market? There is especially the case of serpentina which was found in the Karwar forest with which the hon Minister is familiar, he is touring my constituency sometimes

Shri Karmarkar: There are exhaustive encyclopaedias containing the names in Latin also Foreign companies come to know about it and if they want to utilise them from whatever we export, they sometimes settle down here in collaboration with indigenous companies for utilising these herbs

In respect of drugs, sometime three or four years ago Rauwolfia Serpentina was perhaps in short supply and it was thought likely that the supply might be affected later on prejudicially. Then I remember the Commerce and Industry Ministry took steps to regulate the export. That is the procedure which we follow. We always pay attention to keep the national wealth and put it to the best possible use

वरमगा-मुजफ्फरपुर रेलवे लिंक

+

*१०६५ { श्री श्रीनारायण दास
श्री अ नन्द सिंह .

क्या रेलवे मंत्री २५ अगस्त, १९५८ के ताराकित प्रश्न सख्या ४३७ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने पूर्वोत्तर रेलवे पर वरमगा और मुजफ्फरपुर स्टेशनों को मिलाने वाली प्रस्तावित रेलवे लाइन के निर्माण के बारे में कोई निश्चय किया है , और

(ख) यदि नहीं, तो यह विषय इस समय किस अवस्था में है ?

The Deputy Minister for Railways (Shri S. V. Ramaswamy): (a) and (b) Yes, Sir. Owing to the technical features of the terrain, the construction of this project is not economically justified

Shri Shree Narayan Das: Sometime ago it was stated by the hon. Minister that the survey was made as an alternative to doubling of the line between Samastipur and Darbhanga. Will the doubling be taken up, now?

Shri S. V. Ramaswamy: Doubling up to Samastipur will be taken up

Shri Shree Narayan Das: Is it a fact that after the construction of the Mokameh bridge over the Ganga, the broad gauge line will run from Barauni to Darbhanga?

Shri S. V. Ramaswamy: First of all, we are considering only up to Samastipur. It is not yet contemplated to extend it to Darbhanga

Shri Shree Narayan Das: May I know whether the construction of the broad gauge railway line from Barauni to Samastipur has been taken up?

Shri S. V. Ramaswamy: It will be taken up

श्री विभूति मिश्र में जानना चाहता हूँ कि क्या यह लाइन समस्तीपुर से नहर-कटियागंज तक जायेगी, मुजफ्फरपुर होते हुये ?

रेलवे मंत्री (श्री जगजीवन राम) अभी तक तो समस्तीपुर तक ही जायेगी । इसके बाद कहा तक जायेगी, यह कहना अभी संभव नहीं है ।

Gandak Project

+

{ **Pandit D. N. Tiwary:**
Shri Ram Krishan:
*1066. { **Shri Shree Narayan Das:**
Shri Bibhanti Mishra:

Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to refer to the reply